[This question paper contains 4 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक............

H

**Sr. No. of Question Paper : 6114**

Unique Paper Code : 2055091002

Name of the Paper : Hindi Bhasha Aur Sahitya ka Udbhav aur Vikas (B)

Name of the Course : **G.E. : Hindi B**

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।**

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (12×2=24)

(क) पूर्वी हिन्दी की बोलियों का सामान्य परिचय दीजिए।

**अथवा**

हिन्दी भाषा का सामान्य परिचय दीजिए।

P.T.O.

(ख) निर्गुण भक्तिधारा की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

कृष्ण काव्यधारा के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए।

2. कबीर की काव्यभाषा के बारे में बताइये। (12)

अथवा

'केवट-प्रसंग' के आधार पर तुलसीदास की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।

3. बिहारी के दोहों को 'गागर में सागर' भरने की उपाधि क्यों दी जाती है? स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

'भूषण की कविता में ओज और वीरता का भाव है।' स्पष्ट कीजिए।

4. जयशंकर प्रसाद की राष्ट्रीय चेतना के बारे में लिखिए। (12)

अथवा

'अग्निपथ' कविता का भावार्थ लिखिए।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए- (10×3=30)

(क) यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान।

सीस दिए जो गुरु मिलें, तौ भी सस्ता जान।।

**अथवा**

कृपासिंधु बोले मुसुकाई। सोई करु जेंहि तब नाव न जाई।

वेगि आनु जल पाय प्रखारु। होत बिलंबु उतारहि पारु।

जासु नाम सुमरत एक बारा। उतरहिं नर भवसिंधु अपारा।।

(ख) या अनुरागी चित्त की गति समुझैं नहिं कोई।

ज्यौं-ज्यौं बूड़े स्याम रंग त्यौं-त्यौं उज्जलु होई।।

**अथवा**

दावा द्रुमदंड पर चीता मृगझुंड़ पर

भूषण बितुंड़ पर जैसे मृगराज है।

तेज तम अंस पर, कान्ह जिम कंस घर,

यौं मलेच्छ बंस पर सेर सिवराज है।

(ग) लहरें टकराती अनंत की पाकर जहाँ किनारा
हेम-कुंभ ले उषा सवेरे भरती ढुलकाती सुख मेरे
मंदिर ऊँघते रहते जब जग कर रजनी भर तारा
अरुण यह मधुमय देश हमारा।

**अथवा**

तू न थकेगा कभी !
तू न थमेगा कभी !
तू न मुड़ेगा कभी-कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ
अग्नि पथ! अग्नि पथ! अग्नि पथ!